2020

HINDI — GENERAL

Paper : DSE-A-2

(Chhayavad)

Full Marks : 65

The figures in the margin indicate full marks.

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

Day 1

1. निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2×10

(क) जयशंकर प्रसाद के दो काव्य-ग्रंथों के नाम लिखिए।

(ख) सुमित्रानंदन पंत की किन्हीं दो काव्य-कृतियों के नाम लिखिए।

(ग) महादेवी वर्मा के किन्हीं दो काव्य-संकलनों के नाम लिखिए।

(घ) 'राजे ने अपनी रखवाली की' कविता की निम्नलिखित पंक्ति के दो रिक्त स्थानों की पूर्ति सही शब्दों से कीजिए :

"कितने ब्राह्मण आए
__________ में __________ को बाँधे हुए।'"

(ङ) 'दीप' कविता की निम्नलिखित पंक्ति के दो रिक्त स्थानों की पूर्ति सही शब्दों से कीजिए :
"देख __________ सौन्दर्य __________ का निर्जन में अनुरागी हो"

(च) "भिक्षु होकर रहते सम्राट, दया दिखलाते घर-घर घूम" – पंक्ति के कवि और कविता का नाम बताइए।

(छ) 'विसर्जन' – कविता में आए निम्नलिखित दो शब्दों के अर्थ लिखिए :

'अलकें' एवं 'मधुमास'।

(ज) 'धूप-सा तन, दीप-सी मैं' – कविता में आए निम्नलिखित दो शब्दों के अर्थ लिखिए :

'रश्मि' एवं 'श्रान्त'।

(झ) कवि निराला का पूरा नाम क्या है? उनका जन्म कहाँ हुआ था?

(ञ) छायावाद के किन्हीं दो स्तम्भ के नाम लिखिए।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं ***तीन*** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 5×3

(क) जीर्ण बाहु, है शीर्ण शरीर
तुझे बुलाता कृषक अधीर,
ऐ विप्लव के वीर!

चूस लिया है उसका सार,
हाड़ मात्र ही है आधार,
ऐ जीवन के पारावार!

(ख) किसी का हमने छीना नहीं, प्रकृति का रहा पालना यहीं
हमारी जन्मभूमि थी यहीं, कहीं से हम आए थे नहीं
जातियों का उत्थान-पतन, आँधियाँ झड़ीं, प्रचंड समीर
खड़े देखा, झेला हँसते, प्रलय में पले हुए हम वीर।

(ग) नहीं अब गाया जाता देव!
थकी अंगुली हैं ढीले तार
विश्ववीणा में अपनी आज
मिला लो यह अस्फुट झंकार!

(घ) भूल अभी से इस जग को!
तज कर तरल तरंगों को,
इन्द्रधनुष के रंगों को,
तरे भ्रू-भंगों से कैसे बिंधवा दूँ निज मृग-सा मन?

(ङ) वक्षस्थल में जो छुपे हुये—
सोते हों हृदय अभाव लिये—
उनके स्वप्नों का हो न प्रात!

3. निम्नलिखित किन्हीं ***तीन*** आलोचनात्मक प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 10×3

(क) 'महाकवि तुलीदास' – कविता के भाव-सौन्दर्य पर प्रकाश डालिए।

(ख) 'चींटी' – कविता के भाव-सौन्दर्य पर प्रकाश डालिए।

(ग) 'यह धरती कितना देती है' – कविता का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

(घ) 'विधवा' – कविता की मूल-संवेदना पर प्रकाश डालिए।

(ङ) महादेवी वर्मा की कविता का मूल-स्वर स्पष्ट कीजिए।